स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
सफलता की कहानी

स्वयं सहायता समूह कुलासू-प्रथम, विकास खण्ड-एकेश्वर समूह गठन तिथि- 25/11/07
स्वरोजगारी- कुल संख्या -8 (4 सामान्य, 4 अनु0 जा0 1 महिला), क्रियाकलाप- बकरी पालन
ऋण वितरण की तिथि- 17/10/07 , ऋण राशि- 1,20,000-00 , अनुदान राशि- 80,000-00
बैक का नाम- भारतीय स्टेट बैंक पाटीसैंण

स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत ग्राम कुलासू के बी0पी0एल0 परिवारों की 7 पुरूष एवं 1 महिला स्वरोजगारियों द्वारा एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। प्रारम्भ में रू0 20-00 मासिक बचत की गई तथा समूह का बचत खाता भारतीय स्टेट बैंक पाटीसैंण में खोला गया, जिसका संचालन अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समूह की प्रथम ग्रडिंग सम्पन्न होने के फलस्वरूप समूह सदस्यों ने रू0 25,000-00 रिवाल्विंग फण्ड का उपयोग किया । समूह की द्वितीय ग्रेडिंग सम्पन्न होने के पश्चात समूह सदस्यों द्वारा बकरी पालन क्रियाकलाप में रू0 2,00,000-00 का ऋण भारतीय स्टेट बैंक पाटीसैंण से प्राप्त कर बकरियों का क्रय किया गया। साथ ही बकरियों का बीमा भी करवाया गया। सभी स्वरोजगारी बकरी पालन व्यवसाय से आय अर्जित कर रहे हैं एवं स्वरोजगार हेतु प्रयासरत् तथा आशान्वित हैं।

स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
सफलता की कहानी
स्वयं सहायता समूह पिलखेरा महादेव
विकास खण्ड-एकेश्वर

स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना अन्तर्गत पिलखेरा गांव की महिलाओं द्वारा पिलखेरा महादेव स्वयं सहायता समूह का गठन दिनांक 17/12/99 को किया गया। इस समूह में कुल 9 महिला स्वरोजगारी हैं। समूह की दिनांक 14/11/2000 को प्रथम ग्रेडिंग हुई । प्रथम ग्रेडिंग होने के पश्चात् समूह को रू0 25,000-00 रिवाल्विंग फण्ड प्रदान किया गया। समूह द्वारा बकरी पालन क्रियाकलाप को अपनाया गया। दिनांक 15/9/2004 को समूह की द्वितीय ग्रेडिंग हुई। द्वितीय ग्रेडिंग होने के पश्चात् दिनांक 9/10/04 को समूह को रू0 90,000-00 अनुदान एवं रू0 90,000-00 ऋण पंजाब नेशनल बैंक नौगांवखाल द्वारा प्रदान किया गया। समूह द्वारा बकरियों का क्रय किया गया । बकरी पालन व्यवसाय से वर्तमान में समूह के स्वरोजगारियों को रू0 2000-00 से अधिक प्रतिमाह

आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार योजना के माध्यम से समूह के स्वरोजगारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
स्वयं सहायता समूह थापला विकास खण्ड यमकेश्वर

स्वयं सहायता थापला का गठन वर्ष 2005–06 में माह जुलाई 2005 में हुआ । समूह को माह नवम्बर 2005 में रिवाल्विंग फण्ड 5000.00 की धनराशि प्रदान की गयी एवं समूह की प्रथम ग्रेडिंग 02.11.2005 को ए ग्रेड प्रदान किया गया । समूह द्वारा रिवाल्विंग फण्ड की धनराशि का विधिवत उपयोग किया गया । आपसी लेन देन एंव बैक जमा को देखते हुए उत्तराखण्ड ग्रामीण बैक घडियाल के प्रबन्धक एवं खण्ड विकास अधिकारी महोदय कल्जीखाल के सहयोग से समूह की माह अगस्त 2007 में द्वितीय ग्रेडिंग की गयी । माह अक्टूबर 20.10.2007 को समूह को बकरी पालन व्यवसाय में वित्त पोषित किया गया। समूह को मु0 1,50,000–00 रू0 बकरी क्रय हेतु स्वीकृत किये गये । इसमें से 60,000–00 रू0 अनुदान एवं 90,000–00 ऋण के रूप में स्वीकृत किये गये । स्वरोजगारियों द्वारा विधिवत बकरियां क्रय की गयी व उनका पशु चिकित्साधिकारी कल्जीखाल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया । वर्तमान समय में सभी स्वरोजगारियों के पास बकरियां उपलब्ध हैं।। स्वरोजगारी विधिवत बैंक किश्तें भुगतान कर रहे हैं । सभी स्वरोजगारियों को प्रतिमाह 1000.00 का शुद्व लाभ हो रहा है। सभी स्वरोजगारी योजना से सन्तुष्ट हैं व अपने परिवारों का खुशी से पालन पोषण कर रहे है। अन्य ग्रामीण भी स्वयं सहायता समूह थापला का अनुकरण कर रहे हैं ।